

## ॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ अरुणाय नमः  
 ॐ शरण्याय नमः  
 ॐ करुणारससिन्धवे नमः  
 ॐ असमानबलाय नमः  
 ॐ आर्तरक्षकाय नमः  
 ॐ आदित्याय नमः  
 ॐ आदिभूताय नमः  
 ॐ अखिलागमवेदिने नमः  
 ॐ अच्युताय नमः  
 ॐ अखिलज्ञाय नमः १०  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ इनाय नमः  
 ॐ विश्वरूपाय नमः  
 ॐ इज्याय नमः  
 ॐ इन्द्राय नमः  
 ॐ भानवे नमः  
 ॐ इन्दिरामन्दिराप्ताय नमः  
 ॐ वन्दनीयाय नमः

ॐ ईशाय नमः  
 ॐ सुप्रसन्नाय नमः २०  
 ॐ सुशीलाय नमः  
 ॐ सुवर्चसे नमः  
 ॐ वसुप्रदाय नमः  
 ॐ वसवे नमः  
 ॐ वासुदेवाय नमः  
 ॐ उज्ज्वल नमः  
 ॐ उग्ररूपाय नमः  
 ॐ ऊर्ध्वगाय नमः  
 ॐ विवस्वते नमः  
 ॐ उद्यत्किरणजालाय नमः ३०  
 ॐ हृषीकेशाय नमः  
 ॐ ऊर्जस्वलाय नमः  
 ॐ वीराय नमः  
 ॐ निर्जराय नमः  
 ॐ जयाय नमः

ॐ  
 ऊरुद्वयाभावरूपयुक्तसारथये नमः  
 ॐ ऋषिवन्द्याय नमः  
 ॐ रुग्धन्त्रे नमः  
 ॐ ऋक्षचक्रचराय नमः  
 ॐ ऋजुस्वभावचित्ताय नमः ४०  
 ॐ नित्यस्तुत्याय नमः  
 ॐ ऋकारमातृकावर्णरूपाय नमः  
 ॐ उज्ज्वलतेजसे नमः  
 ॐ ऋक्षाधिनाथमित्राय नमः  
 ॐ पुष्कराक्षाय नमः  
 ॐ लुप्तदन्ताय नमः  
 ॐ शान्ताय नमः  
 ॐ कान्तिदाय नमः  
 ॐ घनाय नमः  
 ॐ कनत्कनकभूषाय नमः ५०  
 ॐ खद्योताय नमः  
 ॐ लूनिताखिलदैत्याय नमः  
 ॐ सत्यानन्दस्वरूपिणे नमः  
 ॐ अपवर्गप्रदाय नमः

ॐ आर्तशरण्याय नमः  
 ॐ एकाकिने नमः  
 ॐ भगवते नमः  
 ॐ सृष्टिस्थित्यन्तकारिणे नमः  
 ॐ गुणात्मने नमः  
 ॐ घृणिभृते नमः ६०  
 ॐ बृहते नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ ऐश्वर्यदाय नमः  
 ॐ शर्वाय नमः  
 ॐ हरिदश्वाय नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ दशदिक्सम्प्रकाशाय नमः  
 ॐ भक्तवश्याय नमः  
 ॐ ओजस्कराय नमः  
 ॐ जयिने नमः ७०  
 ॐ जगदानन्दहेतवे नमः  
 ॐ  
 जन्ममृत्युजराव्याधिवर्जिताय नमः

ॐ उच्चस्थान  
 समारूढरथस्थाय नमः  
 ॐ असुरारये नमः  
 ॐ कमनीयकराय नमः  
 ॐ अञ्जवल्लभाय नमः  
 ॐ अन्तर्बहिः प्रकाशाय नमः  
 ॐ अचिन्त्याय नमः  
 ॐ आत्मरूपिणे नमः  
 ॐ अच्युताय नमः ८०  
 ॐ अमरेशाय नमः  
 ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः  
 ॐ अहस्कराय नमः  
 ॐ रवये नमः  
 ॐ रवये नमः  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ तरुणाय नमः  
 ॐ वरेण्याय नमः  
 ॐ ग्रहाणां पतये नमः  
 ॐ भास्कराय नमः ९०

ॐ आदिमध्यान्तरहिताय नमः  
 ॐ सौख्यप्रदाय नमः  
 ॐ सकलजगतां पतये नमः  
 ॐ सूर्याय नमः  
 ॐ कवये नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ परेशाय नमः  
 ॐ तेजोरूपाय नमः  
 ॐ हिरण्यगर्भाय नमः  
 ॐ सम्पत्कराय नमः १००  
 ॐ ऐं इष्टार्थदाय नमः  
 ॐ अं सुप्रसन्नाय नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ श्रेयसे नमः  
 ॐ सौख्यदायिने नमः  
 ॐ दीप्तमूर्तये नमः  
 ॐ निखिलागमवेद्याय नमः  
 ॐ नित्यानन्दाय नमः १०८

॥ इति श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

---

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

[http://stotrasamhita.net/wiki/Surya\\_Ashtottara\\_Shatanamavali](http://stotrasamhita.net/wiki/Surya_Ashtottara_Shatanamavali). This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>